UNIVERSITY NEWS 27 MARCH 2026

HINDUSTAN

चार वर्षीय स्नातक को सीधे पीएचडी में दाखिला

संशोधित पीएचडी अध्यादेश में बड़े बदलाव का मसौदा तैयार

तैयारी

■ शाश्वत मिश्रा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में संशोधित पीएचडी अध्यादेश-2026 के तहत प्रवेश, अवधि और पात्रता में बड़े बदलाव की तैयारी है। इसके तहत पीएचडी अध्यादेश-2023 में संशोधन करते हुए 2026 के लिए नए प्रावधानों का मसौदा तैयार किया गया है, जिसे आगामी 28 मार्च को आयोजित विद्या परिषद की बैठक में संस्तुति प्रदान करने के लिए रखा जाएगा।

नए मसौदे के अनुसार, अब पीएचडी में प्रवेश वर्ष में एक बार के बजाय दो बार मिलेगा। साथ ही चार वर्षीय स्नातक के बाद सीधे पीएचडी में प्रवेश के लिए कम से कम एक शोध-पत्र (पीयर-रिव्यू जर्नल में) अनिवार्य किया गया है। इसी तरह एक वर्षीय परास्नातक पास विद्यार्थी भी पीएचडी में प्रवेश के पात्र होंगे। न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों की शर्त पहले की तरह लागू रहेगी, जबकि आरक्षित वर्गों को पांच फीसदी की छूट मिलेगी। कार्यक्रम की अवधि न्यूनतम तीन वर्ष और अधिकतम छह वर्ष रखी गई है। विशेष परिस्थितियों में एक वर्ष का अतिरिक्त समय दिया जा सकेगा, जबकि पहले यह सीमा दो वर्ष थी। कुल मिलाकर पीएचडी पूरा करने की अधिकतम समय-सीमा सात वर्ष कर दी गई है, जो पहले आठ वर्ष थी।

- सीधे पीएचडी में प्रवेश के लिए कम से कम एक शोध-पत्र पीयर-रिव्यू जर्नल में अनिवार्य किया
- पीएचडी पूरा करने की अधिकतम समय-सीमा आठ से सात वर्ष करने का प्रस्ताव बना
- वर्ष में दो बार तीन चरणों में प्रवेश प्रक्रिया का किया जाएगा आयोजन

70 प्रतिशत वेटेज लिखित परीक्षा में दिया जाएगा

नॉन नेट, जेआरएफ अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

संशोधित अध्यादेश में फेलोशिप धारक और नेट अभ्यर्थियों के चयन के बाद बची सीटों पर रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट के माध्यम से प्रवेश लिया जाएगा। इसमें 70 प्रतिशत वेटेज लिखित परीक्षा और 30 प्रतिशत साक्षात्कार को दिया जाएगा।

तीन चरणों में होगी प्रवेश प्रक्रिया

संशोधित पीएचडी अध्यादेश में प्रवेश प्रक्रिया को तीन चरणों में विभाजित किया गया है। पहले फेलोशिप धारक, फिर नेट योग्य अभ्यर्थी और अंत में शेष सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा (आरईटी) के माध्यम से चयन किया जाएगा। फेलोशिप धारक और नेट अभ्यर्थियों का चयन संबंधित विभाग की विभागीय शोध समिति (डीआरसी) की ओर से लिए जाने वाले साक्षात्कार के आधार पर होगा। साक्षात्कार के दौरान अभ्यर्थियों को अपने शोध विषय और रुचि क्षेत्र पर प्रस्तुति देनी होगी। इसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अभ्यर्थी प्रस्तावित शोध के लिए सक्षम हो और विश्वविद्यालय में उस शोध को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

स्वयंसेवकों ने वृद्धाश्रम का भ्रमण किया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में एनएसएस दोनों इकाइयों की ओर से आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस पर स्वयंसेवकों ने एक कार्यक्रम के अंतर्गत वृद्धाश्रम का भ्रमण किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशि प्रभा जोशी और डॉ. चंद्रशेखर राय ने बताया कि स्वयंसेवकों ने वृद्धजनों से आत्मीय मुलाकात की, उनके साथ संवाद स्थापित किया और अपने विचार साझा किए। वृद्धजनों ने भी अपने अनुभव और जीवन के महत्वपूर्ण पहलु साझा किए।

डेटा विश्लेषण और मॉडलिंग के बारे में बताया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग की ओर से राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अधिकारियों के लिए 'आर' के माध्यम से डेटा विश्लेषण व मॉडलिंग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सह-संरक्षक प्रोफेसर शशि भूषण ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे दिन तीन सत्र आयोजित किए गए, जिनमें सहसंबंध व संबद्धता के माप आदि बताए गए।

DAINIK JAGRAN

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने किया वृद्धाश्रम का भ्रमण

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के सात दिवसीय एनएसएस शिविर के अंतर्गत गुरुवार को स्वयंसेवकों ने वृद्धाश्रम का भ्रमण किया। उन्होंने वृद्धजनों से मिलकर अपने विचार साझा किए। वृद्धजनों ने भी अपने अनुभव एवं जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा किया। इस अवसर पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य, गायन एवं नाट्य (स्किट) प्रस्तुत किए गए। भजन-कीर्तन में भी स्वयं सेवकों संग वृद्धजन भी शामिल हुए। यह आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डा. शशि प्रभा जोशी एवं डा. चंद्रशेखर राय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। वि.

AMRIT VICHAR

डेटा विश्लेषण और मॉडलिंग का प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अधिकारियों के लिए 'आर' के माध्यम से डेटा विश्लेषण एवं मॉडलिंग पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के सहसंरक्षक प्रो. शशि भूषण ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे दिन तीन सत्र आयोजित किए गए। समन्वयक डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि व्यावहारिक सत्रों का उद्देश्य अधिकारियों के डेटा विश्लेषणात्मक कौशल को सुदृढ़ करना है। दिल्ली विश्वविद्यालय सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गिरीश चंद्रा ने "सहसंबंध एवं संबद्धता के माप" विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. अरविंद पांडेय ने प्रतिगमन विश्लेषण की मूलभूत अवधारणाओं पर विशेष जानकारी दी।

छात्रों ने किया ओल्ड एज होम का भ्रमण

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की दोनों इकाइयों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस पर वृद्धाश्रम (ओल्ड एज होम) का भ्रमण किया गया। प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. शशि प्रभा जोशी व डॉ. चंद्रशेखर राय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। स्वयंसेवकों ने वृद्धजनों से आत्मीय की और उनके साथ संवाद स्थापित किया। वृद्धजनों ने भी अपने अनुभव एवं जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा किया, जिससे एक भावनात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण निर्मित हुआ। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नृत्य, गायन एवं नाटक प्रस्तुत किए गए। इस दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ, जिसमें स्वयंसेवकों एवं वृद्धजनों ने मिलकर सहभागिता की।

HINDUSTAN

एलयू में दो कोर्सों के परीक्षा परिणाम जारी

एलयू में 2025-26 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत परास्नातक स्तर पर दो पाठ्यक्रमों का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक की ओर से सूचना जारी कर दी गई है। जिसे विद्यार्थी एलयू की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

AMAR UJALA

वृद्धजनों से संवाद कर अनुभव सुने

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन बृहस्पतिवार को एनएसएस के स्वयंसेवकों ने छवि शांति धाम वृद्धाश्रम का भ्रमण किया। शुरुआत एनएसएस गीत से हुई, इसके बाद स्वयंसेवकों ने वृद्धजनों से संवाद कर उनके अनुभव सुने। सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत, नृत्य, नाट्य व भजन-कीर्तन प्रस्तुत हुए, जिसमें सभी ने उत्साह से हिस्सा लिया। (माई सिटी रिपोर्टर)